Topic 1:- श्रीलंका में मटाला राजपक्षे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, हंबनटोटा प्रबंधन भारतीय और रूसी कंपनियां करेंगी

चर्चा में क्यों :–

श्रीलंका में स्थित मटाला राजपक्षे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे,हंबनटोटा जिसका निर्माण चीन द्वारा किया गया है। इस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का प्रबंधन अब भारतीय और रूस की संयुक्त कंपनी को सौंपने का निर्णय लिया गया है।

हंबनटोटा हवाई अड्डे का प्रबंधन भारत की शौर्य एयरोनॉटिक्स (प्राइवेट) लिमिटेड और रूस की एयरपोर्ट्स ऑफ रीजन्स मैनेजमेंट कंपनी करेंगी।

हवाई अड्डे के प्रबंधन का यह समझौता अगले 30 वर्ष के लिए पट्टे दिया जा रहा है ।

मटाला राजपक्षे अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा :–

यह हवाई अड्डा श्रीलंका का दूसरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है जिसका निर्माण हंबनटोटा में किया गया है। जबकि भंडारनायके अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा जो की कोलंबो में स्थित है श्रीलंका का पहला अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है।

इस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण के लिए ईएक्सआईएम (EXIM) बैंक द्वारा वित्त पोषित किया गया था।

हवाई अड्डे को भारतीय और रूस की कंपनी को देने का कारण

- इस हवाईअड्डे का उद्घाटन 2013 में पूर्व राष्ट्रपति राजपक्षे के द्वारा किया गया था।
- मटाला राजपक्षे अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा देश का पहला ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा है।
- परंतु यह विवादास्पद हवाईअड्डा कभी भी अपनी पूर्ण क्षमता से नहीं चल पाया और लगातार वित्तीय घाटे की वजह से श्रीलंका लगातार चीन के वित्तीय जाल में फंसता चला गया।
- इस हवाईअड्डा से एक विवाद और जुड़ा है यह हवाईअड्डा पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील स्थान पर स्थित है जिस कारण पर्यावरण समूह द्वारा लगातार इस हवाई अड्डे का विरोध किया जाता है।

श्रीलंका का आर्थिक संकट और भारत की पड़ोसी प्रथम की नीति :–

श्रीलंका की पिछली सरकारों ने जिनका नेतृत्व राजपक्षे परिवार कर रहा था इन्होंने चीन की नीति में फंसकर बड़ी मात्रा में उससे कर्ज लिया जिसको समय पर न चुकाने के कारण यह देश चीन के कर्ज जाल में फस गया।

इसी कर्ज़जाल से निकलने के लिए श्रीलंका की वर्तमान सरकार कई उपाय कर रही है जिसमें से एक उपाय हंबनटोटा हवाई अड्डे को सौंपने का निर्णय भी है।

भारत भी श्रीलंका को पड़ोसी प्रथम नीति के तहत इस वित्तीय संकट से बाहर निकलने का प्रयास कर रहा है जिसके तहत भारत ने श्रीलंका को बड़े पैमाने पर आर्थिक सहायता प्रदान की है

श्रीलंका ने अपने इस आर्थिक संकट और चीन के वित्तीय संकट से निपटने के लिए आईएमएफ़ से 2.9 बिलियन डॉलर का ऋण लिया।

Result Mitra

भारत की निजी कंपनियां भी श्रीलंका की इस आर्थिक संकट की घड़ी में मदद कर रही हैं जिसके तहत आईटीसी ने श्रीलंका के कोलंबो में एक 5 सितारा होटल खोला है इस होटल का नाम आईटीसी रत्नादीपा रखा गया है

उसका उद्‌घाटन श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने 25 अप्रैल 2024 को किया ।

इस होटल में लगभग 3000 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है ।

यह श्रीलंकाई आतिथ्य क्षेत्र में किसी भारतीय कंपनी द्वारा किया गया सबसे बड़ा निवेश है।

श्रीलंका की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भाग पर्यटनों का है वह भारत के अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए कई सारी योजनाओं पर कार्य कर रहा है

भारत श्रीलंका आर्थिक संबंध और व्यापार

भारत श्रीलंका का निकटतम पड़ोसी होने के साथ ही परंपरागत रूप से श्रीलंका का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार भी है।

वर्ष 2021 में भारत और श्रीलंका के बीच 5.45 बिलियन अमेरिकी डॉलर का व्यापार हुआ।

सेंट्रल बैंक ऑफ श्रीलंका के अनुसार, भारत श्रीलंका में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का सबसे बड़ा स्रोत था।

हंबनटोटा बंदरगाह :–

- इस बंदरगाह का निर्माण चीन के द्वारा किया गया
- परंतु श्रीलंका के द्वारा इसका कर्ज न चुकाए जाने के कारण दिसंबर 2017 में हंबनटोटा बंदरगाह चीन को सौंप दिया था।
- हंबनटोटा बंदरगाह चाइना मर्चेंट्स पोर्ट (सीएमपोर्ट) के नेतृत्व में एक संयुक्त उद्यम है, जिसके पास साइट को संचालित करने के लिए 99 साल का पट्टा है।

Topic 2:- अलागर मंदिर

चर्चा में क्यों :– हाल ही में मदुरै में चिथिराई उत्सव का आयोजन किया गया

Result Mitra

इस आयोजन के अंतर्गत चिधिराई उत्सव के हिस्से के रूप में भगवान कल्लालगर का जुलूस अलागर पहाड़ियों से वैगई नदी में प्रवेश किया।

अलागर मंदिर से सम्बन्धित तथ्य:–

- यह भगवान विष्णु को समर्पित है
- इसका एक अन्य लोकप्रिय नाम अज़गर कोविल भी है.
- इस मंदिर का उल्लेख कई सारे दक्षिण के महाकाव्य में किया गया है जैसे कि शिलप्पादिकारम।
- यह मंदिर अपनी जटिल मूर्तिकला और मंडपों के लिए अधिक विख्यात है।
- यह मंदिर तमिलनाडु में अलागर पहाड़ियों की तलहटी में स्थित है।
- एक अनुमान के अनुसार महान जैन भिक्षु अज्जनंदी ने अपने शिष्यों के साथ कुछ समय के लिए यहां निवास किया था।
- राजा अशोक के समय के शिलालेख की प्राप्ति भी हमें यहां से होती है।
- इस मंदिर में कई कलात्मक विशेषताएं नायक वंश के राजा थिरुमलाई नायकर ने अपने शासनकाल के दौरान जोड़ीं।

Result Mitra

- पांड्य शासनकाल के शासक राजा जटावर्मन सुंदर पांडियन (1251-1270 ईस्वी) के राज्यकाल में मंदिर के गर्भगृह के विमान को सोने की प्लेटों से सुशोभित किया गया ।
- पांड्य शासनकाल के द्वारान ही मंदिर के प्रवेश द्वार पर विशाल मीनार का निर्माण कराया था।
- मंदिर का कल्याण मंडपम, विशेष रूप से नायक कला का प्रदर्शन करता है।

lt Mitra

Topic 3:- National and International organisation :- संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास (अंकटाड)

इसका पूरा नाम संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास (इस नाम को हाल में रखा गया है)

इसके नाम में परिवर्तन 2024 में इसकी 60वीं वर्षगांठ पर किया गया।

पुराना नाम :– व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (United Nations Conference on Trade and Development- UNCTAD)

स्थापना :– 1964

यह संयुक्त राष्ट्र का एक स्थायी संगठन है।

गठन का उद्देश्य :– विकासशील देशों के व्यापार, निवेश और विकास को बढ़ावा देना है।

अंकटाड का प्राथमिक उद्देश्य व्यापार, सहायता, परिवहन, वित्त और प्रौद्योगिकी सहित विकास के सभी पहलुओं से संबंधित नीतियां तैयार करना है।

अंकटाड एक मंच प्रदान करता है जहां विकासशील देश अपने आर्थिक विकास से संबंधित समस्याओं पर चर्चा कर सकते हैं और उनका समाधान कर सकते हैं।

विकासशील देशों, विशेष रूप से अल्प विकसित देशों को वैश्विक अर्थव्यवत्या में प्रभावी ढंग से एकीकृत करने में उनकी सहायता करना।
इसकी स्थापना व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के रूप में की गई ।

मुख्यालय: जिनेवा, स्विट्जरलैंड

अंकटाड के द्वारा कई रिपोर्टें प्रकाशित की जाती है । जैसे की :–

डिजिटल अर्थव्यवस्था रिपोर्ट,
विश्व निवेश रिपोर्ट,
व्यापार और विकास रिपोर्ट,
प्रौद्योगिकी और नवाचार रिपोर्ट,
सबसे कम विकसित देशों की रिपोर्ट
समुद्री परिवहन की समीक्षा,
वस्तुएँ और विकास रिपोर्ट,
।

Result Mitra

Topic 4:- To The Point:- A :- जीरो शैडो डे

हाल ही में, बेंगलुरु में 'जीरो शैडो डे' नाम की एक दुर्लभ खगोलीय परिघटना देखने को मिली।

- यह परिघटना बस में दो बार देखने को मिलती है एक बार ग्रीष्म अयनांत (Summer Solstice) के दौरान और दूसरी बार शीत अयनांत (Winter Solstice) के दौरान घटित होती है।

- यह परिघटना कर्क रेखा और मकर रेखा के क्षेत्र के बीच ही देखने को मिलती है।

- यह परिघटना समय और स्थान के साथ घटित होती है अर्थात अलग-अलग समय पर अलग-अलग स्थान में।

- :– यह परिघटना ऐसे समय घटित होती है, जब सूर्य सिर के बिलकुल ऊपर एक सीध में होता है।

जिस कारण लंबवत (वर्टिकल) ऑब्जेक्ट्स की परछाई नहीं बनती ।

Topic 4:- To The Point:- B:-क्रिस्टल मेज 2

क्या है :– बैलिस्टिक मिसाइल के नए वर्जन

- इस मिसाइल का हाल ही में भारतीय वायु सेवा के द्वारा अंडमान निकोबार दीप समूह में सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।
- क्रिस्टल मेज 2 को के नाम से भी जाना जाता है रॉक्स / ROCKS।
- इस मिसाइल का विकास इजरायल के द्वारा किया गया है।
- यह एक मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है।
- यह मिसाइल हवा से सतह पर मार करने के लिए बनाई गई है
- इस मिसाइल की मारक क्षमता 250 किलोमीटर से अधिक है

विशेषता :– इस मिसाइल को इस प्रकार डिज़ाइन किया गया की GPS-रहित परिवेश में अधिक महत्त्व वाले स्थिर या स्थान परिवर्तन करने वाले लक्ष्यों पर हमला कर सके।

यह मिसाइल लॉन्ग रेंज रडार और वायु रक्षा प्रणालियों को निशाना बनाने में सक्षम है ।

Topic 5:- To The Point:- C :- केन्या

चर्चा में क्यों :– हाल ही में केन्या की राजधानी नैरोबी में अधिक वर्षा होने के कारण एक गंभीर विनाशकारी बाढ़ की स्थिति बनी हुई है

:– केन्या एक अफ्रीकी देश है

केन्या अफ्रीका के पूर्वी तट पर अवस्थित है। पूर्वी तट पर स्थित होने के कारण इसकी सीमा हिंद महासागर से लगती है।

केन्या के पड़ोसी देश :–

पूर्व में सोमालिया;
उत्तर में इथियोपिया और दक्षिण सुडान;
पश्चिम में युगांडा;
दक्षिण में तंजानिया

केन्या की विशेषताएं- केन्या के मध्य भाग से होकर भूमध्य रेखा गुजरती है ।

Result Mitra

Result Mitra